भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 238*

जिसका उत्तर दिनांक गुरुवार, 06 फरवरी, 2014 को दिया जाना है

एचएमटी एकक का पुनरुद्धार

238*. श्री के. पी. धनपालन:
श्री चार्ल्स डिएस:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार केरल सहित हिन्दुस्तान मशीन टूल्स (एचएमटी) के एककों के पुनरुद्धार हेतु कोई पैकेज प्रदान करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार कर्मचारियों की सेवा-शर्तों, सुविधाओं आदि में सुधार करने का है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) एचएमटी के विभिन्न एककों के पुनरूद्धार हेतु और क्या उपाय किए जाने पर विचार किया जा रहा है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
(श्री प्रफुल पटेल)

उत्तर: विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

एचएमटी एककों के पुनरुद्धार के संबंध में दिनांक 06.02.2014 को लोक सभा में श्री के. पी. धनपालन और श्री चार्ल्स डिएस द्वारा पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न सं. 238 के भाग (क) से (ङ) तक के उत्तर में संदर्भित विवरण।

इस तथ्य को देखते हुए कि एचएमटी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड के पुनरूद्धार के लिए सरकार ने संयंत्र के आधुनिकीकरण, प्रौद्योगिकी के उन्नयन, जन-शक्ति को युक्तिसंगत बनाने और उत्तरदायित्वों को पूरा करने के लिए 883 करोड़ रु. का पैकेज मार्च, 2007 के दौरान पहले ही स्वीकृत कर दिया था, इसलिए सरकार कोई पुनरूद्धार पैकेज का प्रस्ताव नहीं करती है।

पुनरुद्धार पैकेज के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा करते समय लोक उद्यम पुनर्गठन बोर्ड (बीआरपीएसई) ने अतिरिक्त कार्यशील पूंजी की सहायता उपलब्ध कराने, पहले दो वर्ष के लिए सरकार की वित्तीय सहायता के साथ 1997 के वेतनमानों को लागू करने तथा अन्य संगठनात्मक मुद्दों सहित विभिन्न उपायों की सिफारिश की है। इस संबंध में, आर्थिक कार्यों से संबंधित मंत्रिमंडल समिति के लिए मसौदा नोट मंत्रिमंडल के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत करने से पहले संबंधित मंत्रालयों और विभागों को उनकी टिप्पणियों के लिए परिचालित किया गया था।

सरकार का विचार कंपनी का पुनरुद्धार इकाई-वार करने के बजाए समग्र रूप से करने का है।

*****